संविदा स्वास्थ्यकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 2 जून। प्रदेश के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सरकार की वादाखिलाफ़ी और अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार से अनिश्चितकालीन

हनुमानजी को सौपा ज्ञापन,पहले ही दिन चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं, अस्पतालों में मरीज हुए परेशान

हड़ताल का शंखनाद कर दिया है। हड़ताल की शुरुआत अनूठे ढंग से की गई, जहां प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने पड़ाव पुल के नीचे स्थित मंशापूर्ण हनुमान जी के चरणों में ज्ञापन सौंपकर सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की।

प्रदेशभर के करीब 32 हजार संविदा कर्मचारियों के इस कदम से पहले ही दिन शासकीय स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह चरमरा गईं। चूंकि सरकार की अधिकांश जनहितैषी स्वास्थ्य योजनाएं और अभियान इन्हीं कर्मचारियों के भरोसे चलते हैं, इसलिए सरकारी अस्पतालों में मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सिर्फ 'इमरजेंसी' मरीजों की होगी भर्ती, ऑपरेशन भी टले : हड़ताल के असर को देखते हुए विभिन्न सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

सिविल अस्पताल हजीरा के अधीक्षक डॉ. प्रशांत नायक ने आधिकारिक निर्देश जारी करते हुए कहा है कि संविदा स्टाफ के





हड़ताल पर होने के कारण अस्पताल में केवल इमरजेंसी मरीजों को ही भर्ती किया जाए और केवल बेहद जरूरी ऑपरेशन ही किए जाएं। गैर-जरूरी मरीजों को फिलहाल भर्ती न करने के संदेश सभी प्रभारियों को भेज दिए गए हैं।

महापंचायत' की घोषणाएं न होने से आक्रोश

साल 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में संविदा कर्मचारियों की महापंचायत हुई थी। इसमें कल्याणकारी घोषणाएं करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा संविदा नीति भी जारी की गई, लेकिन आज तक इसका पूर्ण पालन नहीं हुआ। एक साल पहले बनी सहमति पर भी सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

— धर्मवीर शुक्ला, जिलाध्यक्ष, संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ

संभागीय आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

ग्वालियर, 02 जून। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), ग्वालियर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न एनसीवीटी एवं एससीवीटी व्यवसायों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। आठवीं एवं दसवीं उत्तीर्ण इच्छुक अभ्यर्थी एमपी स्किल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन एवं विकल्प चयन कर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। आईटीआई प्रवेश पूरी तरह मेरिट आधारित है। आवेदन एवं विकल्प चयन की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। संभागीय आईआईटी बिरलानगर में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, कोपा, वेल्डर सहित विभिन्न रोजगारोन्मुखी व्यवसायों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद विद्यार्थियों को उद्योगों में रोजगार, स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं।

भीषण गर्मी और बीमारी की मार से बुजुर्ग की मौत

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 2 जून। लक्ष्मीगंज स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के बाहर एक हृदय विदारक घटना सामने आई। यहाँ सीढ़ियों पर बैठे एक अज्ञात बीमार बुजुर्ग की

लक्ष्मीगंज शाखा में बैंक की सीढ़ियों पर तोड़ा दम

तबीयत अचानक बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की उम्र करीब 65 वर्ष आंकी जा रही है।

पानी और ग्लूकोज भी नहीं आ सका काम : प्रत्यक्षदर्शियों और बैंक स्टाफ के अनुसार, उक्त बुजुर्ग सुबह से ही बैंक की सीढ़ियों पर बैठे हुए थे। वह काफी कमजोर और बीमार नजर आ रहे थे। दोपहर होते-होते भीषण गर्मी के कारण उनकी हालत और ज्यादा बिगड़ने लगी और वे सीढ़ियों पर ही निढाल होकर लेट गए। बुजुर्ग को तड़पता देख मानवता दिखाते हुए बैंक कर्मचारी और आसपास के दुकानदार तुरंत मदद के लिए आगे आए। स्थानीय लोगों ने उन्हें राहत देने के लिए पानी और ग्लूकोज का घोल भी पिलाया, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। देर रात बुजुर्ग ने सीढ़ियों पर ही अंतिम सांस ली। घटना की सूचना मिलते ही जनकगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।



निगमायुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएं

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 2 जून। जनसुनवाई में आने वाली समस्याओं का निराकरण गंभीरता के साथ संतुष्टिपूर्ण करें तथा जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों का निराकरण समय सीमा में किया जाए। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने संबंधित अधिकारियों को जनसुनवाई में दिए। जनसुनवाई में अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, मुनीष सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त रजनी शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिटी सेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 29 एमपी राज्य कर्मचारी आवास महलगांव के निवासी गणों ने सीवर लाइन डलवाये जाने के संबंध, वार्ड 61 खुरैरी निवासी रमेश चन्द्र ने आवेदन देते हुए बताया कि शासकीय भूमि पर अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा हैं, आवेदक ने उचित कार्यवाही के संबंध में, वार्ड 30 पटेल नगर निवासी दुष्यंत ने आवेदन देकर बताया कि दिवाकर एनक्लेव पटेल नगर में लगभग 22 वर्ष पुरानी सीवर लाइन डली है जो कि हमेशा ओवर फ्लो रहती है। जिससे सड़क पर गंदगी फैलती है । आवेदक ने नई सीवर लाइन डलवाये जाने के संबंध सहित अनेक समस्याओं के आवेदन आवेदकों ने निगमायुक्त को दिये।

निगमायुक्त ने सुनवाई करते हुए कुछ समस्याओं का निराकरण त्वरित करते हुए बांकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई, नामांतरण आदि से संबंधित 42 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

अभाविप के नेतृत्व में छात्रों का उग्र प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 2 जून। बामौर स्थित श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज प्रबंधन की एक बड़ी लापरवाही के कारण बीसीए प्रथम वर्ष के 68 छात्र-छात्राओं का भविष्य दांव पर लग गया है। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा तिथि में किए गए बदलाव की सूचना विद्यार्थियों को समय पर न देने के कारण इन छात्रों का आईटी का पेपर छूट गया। इस मामले को लेकर आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में कॉलेज परिसर में जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। हालांकि, कॉलेज प्रबंधन ने कोई ठोस समाधान निकालने के बजाय पल्ला झाड़ते हुए विद्यार्थियों को टका सा जवाब दे दिया।

बैक फीस भरने का आश्वासन देकर जिम्मेदारी से बच रहा प्रबंधन : सोमवार को हंगामे के बाद कॉलेज प्रबंधन ने छात्रों को विश्वविद्यालय जाकर समाधान निकालने का आश्वासन दिया था। लेकिन मंगलवार को भी जब कोई नतीजा नहीं निकला, तो छात्र फिर से आंदोलन पर उतर आए। इस बार प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारियों ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि विद्यार्थियों की बैक की जो भी फीस होगी, उसका भुगतान कॉलेज प्रबंधन करेगा और छात्रों की परीक्षा दोबारा आयोजित कराई जाएगी। प्रबंधन के इस रवैए से छात्र असंतुष्ट हैं और उनका कहना है कि प्रबंधन अपनी गलती छुपाने के लिए उनके करियर और मार्कशीट पर 'बैक' का दाग लगाना चाहता है।

प्रदर्शन में ये रहे मौजूद : आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अभाविप के प्रदेश सह मंत्री सत्यादित्य तोमर और जिला संयोजक सोम शर्मा ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन की इस लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।







तीसरा राउण्ड समाप्त, दर्शकों की उमड़ रही है भीड़

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 02 जून। जन उत्थान न्यास के तत्वाधान में हो रहे विधायक प्रीमियर लीग 2026 रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के आज तीसरे राउण्ड के आखिरी 6 मैच एम.एल.बी कॉलेज के खेल मैदान में सायं 3:30 बजे से आयोजित किये गये। पहला मैच सायं 3:30 बजे वार्ड क्रमांक 28 एवं वार्ड क्रमांक 30 की टीम 28/जी एवं 30/बी के मध्य खेला गया। इसी क्रमश: में दूसरा मैच सायं 4:30 बजे वार्ड क्रमांक 59 एवं वार्ड क्रमांक 60 की टीम 59/जी एवं 60/ए के मध्य, तीसरा मैच सायं 5:30 बजे वार्ड क्रमांक 20 एवं वार्ड क्रमांक 21 की टीम 20/ई एवं 21/ई के मध्य खेला गया। चौथा मैच सायं 6:30 बजे वार्ड क्रमांक 28 की टीम 28/आई एवं टीम 28/जे के मध्य खेला गया। पांचवा मैच सायं 7:30 बजे वार्ड क्रमांक 56 की टीम 56/पी एवं टीम 56/डब्लू के मध्य एवं आखिरी छठवां मैच सायं 8:30 बजे वार्ड क्रमांक 45 की टीम 45/डी एवं टीम 45/एच के मध्य खेला गया। टूर्नामेंट के अंत में न्यासी आदित्य सिकरवार द्वारा दर्शकों के लिये लक्की ड्रा खोला जाता हैं, 30 दर्शकों को आर्कषक उपहार दिये गये।

मैच की शुरूआत में टूर्नामेंट के अतिथियों समाजसेवी एवं नगर निगम ग्वालियर के ब्राण्ड ऐम्बेसडर पवन दीक्षित, हाईकोट बार एसोसिऐशन के सेक्रेटरी महेश गोयल एवं मुरार सनाढ्य सभा के अध्यक्ष राम पाठक के साथ सभी टीमों से परिचय किया और टीमों को शुभकामनाएं दी। मैच देखने दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है।

आज शाम एम.एल.बी मैदान पर पहला मैच वार्ड क्रमांक 28 एवं वार्ड क्रमांक 30 की टीम 28/जी एवं 30/बी के मध्य खेला गया। टीम 30/बी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 8 ओवर में 74 रन बनाये। जिसके विरूद्ध टीम 28/जी ने 8 ओवर में 45 रन बनाये और मैच हार गई।

जीडीए अध्यक्ष ने की टीडीएस-06 की समीक्षा

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 2 जून। आज ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया द्वारा प्राधिकरण की प्रस्तावित योजना टीडीएस-06 (ग्राम भाटखेड़ी से ग्राम रमउआ) के संबंध में नियुक्त कंसल्टेंट के साथ विस्तृत समीक्षा एवं चर्चा की गई।

बैठक के दौरान योजना के विभिन्न तकनीकी एवं विकासात्मक पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कंसल्टेंट द्वारा योजना की प्रगति एवं तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष ने योजना के कार्यों को समयबद्ध



रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

चर्चा के दौरान यह भी अवगत कराया गया कि टीडीएस-06 योजना का प्रकाशन शीघ्र ही किया जाएगा, जिससे नागरिकों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक सुव्यवस्थित आवासीय एवं व्यावसायिक विकास योजना का लाभ प्राप्त हो सकेगा। इस अवसर पर प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भार्गव, संयुक्त संचालक टीएनसीपी, सहायक संचालक टीएनसीपी, सहायक वास्तु नियोजक श्री सत्येन्द्र तोमर, कार्यपालन यंत्री श्री डी डी मिश्रा, कंसल्टेंट श्रीमती रेबेका जादोन आदि उपस्थित थे।

फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की अलख जगा रहे रिजवान

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 2 जून। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में जहां लोग कारों और बाइकों पर निर्भर हैं, वहीं पीएफ कमिश्नर

विश्व साइकिल दिवस : पीएफ कमिश्नर रिजवान उद्दीन बने 'साइकिलिंग हीरो'

रिजवान उद्दीन साइकिलिंग के जरिए स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं। दीनदयाल उपाध्याय नेशनल अकैडमी फॉर सोशल सिक्योरिटी में कार्यरत रिजवान उद्दीन 2012 से नियमित रूप से साइकिलिंग कर रहे हैं। बी अब तक 25 साइकिल रेलिया का आयोजन भी कर चुके हैं जिसमें लगभग 20 रेलिया ग्वालियर ब्यावरा राजगढ़ सागर में आयोजित हुई।

साइकिल को बनाया दैनिक जीवन का हिस्सा



साइकिलिंग से प्रेरित जीवन जी रहे रिजवान अपने घर किदवई नगर से ऑफिस जनकपुरी तक रोजाना 35 किलोमीटर का सफर साइकिल से तय करते हैं। कॉलेज के दिनों के शौक को उन्होंने द्वारका (दिल्ली) में रहने के दौरान अपनी फिटनेस समस्याओं को दूर करने के लिए फिर से अपनाया। देश के बढ़ते प्रदूषण और खराब एक्यूआई को देखते हुए, वे साइकिलिंग को प्रदूषण कम करने का सबसे प्रभावी तरीका मानते हैं। रिजवान उद्दीन सड़क सुरक्षा पर जोर देते हुए कहते हैं कि साइकिलिंग हमेशा सड़क के बाईं ओर करनी चाहिए। साथ ही, हेलमेट पहनना अनिवार्य है और हमेशा सुरक्षित रास्तों का चयन करना चाहिए।

उपलब्धियां और जुनून

रिजवान उद्दीन ने 'अड्डो इंडिया' द्वारा आयोजित इवेंट में दिल्ली से पंजाब (खन्ना-लुधियाना) तक 600 किलोमीटर की दूरी महज 48 घंटे 49 मिनट में पूरी की। इसके लिए उन्होंने हाइब्रिड साइकिल का उपयोग किया और रातभर साइकिलिंग कर यह मुकाम हासिल किया। साइकिलिंग प्रतियोगिताओं से मिली पुरस्कार राशि (लगभग 5 लाख रुपये) से वे जरूरतमंदों और अपने स्टाफ में साइकिलें बांट चुके हैं। वे न केवल युवाओं, बल्कि बीएसएफ जवानों को भी जीवन के कठिन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। बहुमुखी प्रतिभा: साइकिलिंग के अलावा, रिजवान उद्दीन एक बेहतरीन कुक और कवि भी हैं, जो अपनी कविताओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं।

21 को मिला 'प्रकृति प्रहरी सम्मान, 14 हजार पौधे लगाएंगे

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 2 जून. प्रकृति की रक्षा ही आने वाले भविष्य को सुरक्षित जीवन दे सकती है, जो लोग इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं उनके सराहनीय प्रयास को 'प्रकृति प्रहरी सम्मान' से नवाजा गया। पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, तिघरा, ग्वालियर में आयोजित एक राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में शहर के 21

पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, तिघरा पर पर्यावरण संरक्षण के लिए हुआ कार्यक्रम

समाजसेवियों को सम्मान दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभिलाष खांडेकर थे, जो 'द नेचर वॉलंटियर्स' के सह-संस्थापक और उपाध्यक्ष हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी ऋषभ देवानंद, श्रीकृष्णायन हरिद्वार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पर्यावरणविद् अभिलाष खांडेकर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में राजाबाबू सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (रेल), भोपाल, रुचिका चौहान जिलाधिकारी ग्वालियर, अवधेश कुमार मीणा वन मंडलाधिकारी (सामाजिक वानिकी), ग्वालियर, अरविंद कुमार सक्सेना पुलिस महानिरीक्षक, ग्वालियर जोन, डॉ. आर.जे. राव, कुलपति, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, दशरथ सिंह, सरपंच तिघरा तथा बाबा लक्खा सिंह, दाता बंदी गुरुद्वारा सहित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के पुलिस अधीक्षक अखिलेश और अन्य अधिकारी, प्रशिक्षु, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं बुढ़वा मंगलवार के पावन अवसर पर आयोजित मंगल प्रकृति संजीवन कार्यक्रम का विषय एक

इनको मिला सम्मान



कार्यक्रम में शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय ग्वालियर के प्रोफेसर एवं द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. के.एल. शर्मा,अखिलेश रैनवाल, तिघरा के सरपंच दशरथ सिंह, मयंक, रोहित यादव, संतोष शर्मा, धर्मेन्द्र सिंह कुशवाह, दीपक सिंह भदौरिया, विश्वनाथ शर्मा, मुकेश बघेल, राजाराम कुशवाह, सौरभ सिंह तोमर एवं प्रेमप्रकाश और पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों, पत्रकारों को प्रशंसा-पत्र एवं गौमाता के गोबर से निर्मित पर्यावरण-अनुकूल मालाओं और पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

150 औषधीय प्रजातियों का सुदर्शन हर्बल गार्डन भी देखा

यह गार्डन लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में समर्पित प्रो. शर्मा के नेतृत्व में उनके प्रयासों से पी.टी.एस. तिघरा में बनाया गया है, जिसमें लगभग 150 औषधीय प्रजातियों का रोपण और विकास किया गया है। उन्होंने 'सुदर्शन हर्बल गार्डन' के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहाँ पिछले एक वर्ष से जैव विविधता संरक्षण और जैविक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कार्य किया जा रहा है।

भगीरथ प्रयास : जैव-विविधता संरक्षण से जैविक समृद्धि की ओर

था। इस कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथियों एवं वक्ताओं ने पर्यावरण के प्रति अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. आर.जे. राव द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया।मुख्य अतिथि अभिलाष खांडेकर ने कहा कि प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। राजाबाबू सिंह ने पुलिस प्रशिक्षण शाला तिघरा परिसर में किए गए व्यापक वृक्षारोपण एवं हरित विकास कार्यों की जानकारी दी. जिलाधिकारी रुचिका चौहान ने बताया कि ग्वालियर जिले में व्यापक वृक्षारोपण अभियान के लिए लगभग चार लाख पौधों के रोपण का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है। अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वामी ऋषभ देवानंद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के अनुरूप जीवन जीने की समग्र संस्कृति है।

कार्यक्रम स्थल पर लगा निशुल्क चिकित्सा शिविर

इस आयोजन में शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय ग्वालियर ने एक निशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। शिविर में प्रो. डॉ. उपासना भारद्वाज, प्रो. ममता परते, डॉ. नीलेश शर्मा (आर.एम.ओ.) और डॉ. दिनेश राठौड़ ने अपनी सेवाएं दीं और 90 रोगियों को निशुल्क औषधियाँ वितरित कीं। इसके साथ ही, स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग के प्रचार-प्रसार हेतु पेम्पलेट वितरित किए गए और लोगों को 21 जून को योगाभ्यास के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में सम्मानित हुए व्यक्तियों ने कहा

प्रकृति प्रहरी सम्मान मिलना मेरे लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि उन सभी औषधीय पौधों और प्रयासों का है जिन्हें हमने पी.टी.एस. तिघरा में विकसित किया है, और यह मुझे भविष्य में भी पर्यावरण के प्रति और अधिक जिम्मेदारी से काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

प्रो. के.एल. शर्मा



ऋषभदेव महाराज का व्यक्तित्व और उनकी सेवा भावना हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पर्यावरण संरक्षण और गौ-सेवा के कार्यों को उन्होंने जिस तरह से समाज के साथ जोड़ा है, वह अद्भुत है। यह कार्यक्रम न केवल प्रकृति के प्रति जागरूकता फैलाता है, बल्कि स्वामी जी के नेक विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का भी काम कर रहा है।

दिवाकर शर्मा
संयोजक-भारतीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक जागरण संस्थान



पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक कर्तव्य है। आज गोबर की माला और पौधा देकर जो सम्मान हमें मिला है, वह पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है; हम अपनी पंचायत को हरा-भरा बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

दशरथ सिंह, सरपंच तिघरा



पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में इस प्रकार के नवाचार और वृक्षारोपण से न केवल परिसर में हरियाली बढ़ी है, बल्कि हम सभी को प्रकृति के करीब रहने का संदेश भी मिला है। ऐसे आयोजनों से समाज में प्रकृति के संरक्षण के प्रति निश्चित रूप से सकारात्मक जागरूकता आएगी।

संतोष शर्मा, उपनिरीक्षक पीटीएस तिघरा



स्वामी ऋषभदेव के कुशल मार्गदर्शन में हो रहे ये कार्य समाज में एक बड़ा बदलाव ला रहे हैं। वे जिस तरह से आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रकृति को बचाने का संदेश दे रहे हैं, वह अद्वितीय है। आज के कार्यक्रम की सफलता इस बात का प्रमाण है कि स्वामी जी के साथ जुड़कर हम सभी एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। **कांता शर्मा, भारत विकास परिषद संपर्क शाखा अध्यक्ष एवं अध्यक्ष, महिला विंग ब्राह्मण सभा मुरार**



